हिंदी अभ्यासमंडल की पहली सभा- तिथि- २५ एप्रैल २०१९

महाविदयालय के हिंदी अभ्यासमंडल की पहली सभा गुरुवार दि.२५ एप्रैल २०२९ को सुबह बजे महाविदयालय के हॉल क्र.   मे संपन्न हुअी। इस अवसर पर अभ्यास मंडल के निम्नांकित सन्माननीय सदस्य उपस्थित रहें।–

१ डॉ. अनिल सिंह

२ डॉ. बलवंत वसंत जेडूरकर

३ डॉ. राहुल मोहन मराठे

४ सौ. धनश्री लेले

५ श्री. बलवंत वि. नलावडे

६ डॉ. वर्षा शिरीष फाटक

हिंदी अभ्यासमंडल की इस सभा में प्रस्तावित विषयपत्रिका-

***स्वागत**

१ प्रथम वर्ष कला हिंदी पेपर नं-॥ का वर्तमान पाठ्यक्रम।

२ शै.वर्ष २०१९-२० के लिए विविध कार्यप्रणालियो की निश्चिती करना

३ अध्ययन क्रम की पूर्तता के लिए विविध कार्यप्रणालियों की निश्चिती करना

४ महाविदयालयीन शिक्षा आयोग मे समाविष्ट करने के लिए उत्तर पुस्तिका की जॉच करनेवाले ‘परिक्षक’, ‘सरपरिक्षक’, तथा प्रश्नपत्रिका तैयार करनेवाले आदि की नियुक्ति मे सुझाव तथा मान्यताएँ देना।

५ बाह्य परिक्षण की दृष्टी से ७० गुणो के लिए प्रश्नपत्र का प्रारुप निश्चित करना।

६ अंतर्गत परिक्षण के लिए ३० गुणों की कार्यप्रणाली को निश्चित करना।

७ हिंदी विषय विकास स्नातको मे विषय रुचि की अभिवृद्धि करना तथा संभावित रोजगार की दृष्टि से कौशल्याधिष्ठित उपक्रमो की निश्चिती करना।

८ हिंदी विषय मे प्रमाणपत्र प्रशिक्षण वर्गों का आयोजन करना।

९ स्नातको मे अनुसंधान की रुचि बडाने की दृष्टि से प्रकल्प विषयो को निश्चित करना।

प्रस्तुत बैठक मे उपस्थित हिंदी अध्यन मंडल के सभी सन्माननीय सदस्यो का स्वागत महाविदयालय हिंदी विभागाध्यक्ष प्रा. सौ. स्नेहलता पुजारी ने किया।

प्रा. सौ. स्नेहलता पुजारी जी ने अपनी सभा की प्रस्तावना में महाविदयालय की स्वायत्त्वता की चर्चा की और स्वायत्त महाविदयालय के लिए विद्यापीठ अनुदान आयोग तथा शिक्षा विभाग की और से कौन से मार्गदर्शक तत्व अध्यन मंडल के संम्बन्ध मे प्रेषित किये है इस बात की चर्चा की। और सभा की उद्देश्य पत्रिका मे एक बात स्पष्ट कि शैक्षणिक वर्ष २०१९-२० में प्रथम वर्ष कला के ऐच्छिक हिंदी प्रश्नपत्र के लिए सिर्फ ३० प्रतिशत अध्यन क्रम बदल देना है। और इसी उददेश्य की पार्श्वभूमी पर निम्नलिखित विषयोंपर विस्तार के साथ चर्चा की गई।

* सभा के सामने रखी प्रस्तावित विषय पत्रिका के अनुसार सिलसिले बार निम्नलिखित विषयोंपर चर्चा की गयी।

प्रथम वर्ष कला का मुंबई विश्वविद्यालय के अभ्यासमंडल द्वार प्रेषित वर्तमान पाठ्यक्रम-

विषय क्रमांक : ०१

प्रस्ताव सूचक –

डॉ. अनिलकुमार सिंग –

आपने इस बात को सभा के सामने रखा कि मुंबई विश्वविद्यालय की हिंदी अध्यन मंडल की और से दिये पाठ्यक्रम को रखना ही श्रेयस्कर होगा। इसका कारण यह है की विश्वविद्यालय के बहुत से महाविद्यालयो मे हिंदी विषय पढाया जाता है। इस अर्थ मे हजारो को संख्या मे पाठ्यपुस्तके छपती है। और इसे कौन से भी प्रकाशक प्रकाशित करते है। अगर हम अलग पाठ्यपुस्तके अध्यनक्रम के लिए रखते है तो कोई भी प्रकाशन इसे प्रकाशित नही करेगा और खर्चे की दृष्टि से भी सुविधा होगी। और फिर हर विश्वविद्यालय का पाठ्यक्रम तो विद्यापीठ विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की मार्गदर्शक तत्वों पर गठित किया जाता है। इन सारी बातो को महोनजर रखते हुये। हम पाठ्युपुस्तके तो मुंबई विश्वविद्यालय के हिंदी अभ्यास मंडल द्वारा प्रेषित की हुआी रखने का मर व्यक्त करते है। कुछ अन्य व्याकरण का पाठ्यक्रम भी रख सकते है।

अनुमोदक

डॉ. राहुल मराठे

विषय क्रमांक : ०२

शैक्षणिक वर्ष २०१९-२० के लिए नया पाठ्यक्रम तैयार करना।

प्रस्ताव सूचक

डॉ. बळवंत जेऊरकर

बच्चों को हिंदी मुख्यविद्याएँ नाटक, उपन्यास, कहानी, निबंध अदि मुख्य विद्याओं के साथ् साथ् हिंदी की अन्य विद्याओं जैसे रेखाचित्र, संस्मरण, जीवती आत्मकथ्य रिपोर्ताज यात्रावृत्त आदि विद्याओं को भी जानकारी होना जरुरी है। साथ ही बच्चो को सभी विद्याओंका तात्विक परिचय कराना आवश्यक है। उस संम्बाधित विधा की रचनाशैली की जानकारी भी देना आवश्यक है। इन सभी विधाओं की साहित्य प्रवाह और शैली अलग-अलग होती है इसकी जानकारी भी बच्चों को मिलनी आवश्यक है। विविध विधाओं के संम्बाधित विविध साहित्यकारों का परिचय भी बच्चों को मिलना आवश्यक है। इस सभी कारणों का विचार करते है तो मुंबई विश्वविद्यालय के हिंदी अध्यन मंडल की ओर से प्रेषित पाठ्यक्रम बिल्कुल उचित है।

प्रस्तुत पाठ्यक्रम के साथ-साथ भाषा को समृद्ध करने की दृष्टी से भाष, ज्ञान वर्तनी शुध्दता पत्रलेखन निबंधलेखन संवादलेखन तथा अनुवाद आदि पाठ्यक्रम का समावेश हो तो उचित होगा।

<u>अनुमोदन</u>

प्रा. सौ. स्नेहलता पुजारी.

विषय क्रमांक : ०३

अध्यनपूर्ती के लिए विविध अध्यापन कार्यप्रणालियों की निश्चिती

प्रस्ताव सूचक –

श्री. बळवंत नलावडे (प्रधानाचार्य, ठाकरे विद्यालय)

इसकी लिए पाठ्यक्रम की सभी विधाएँ व्याख्यान-प्रकटवाचन प्रश्नोत्तर तथा नाटकीय शैली मे हम पडा सकते है।

आज तो सभी विधाओपर अनेक डॉक्यूमेंड्री तथा लघु-फिल्म तथा फिल्म सिनेमाई गयी है। इन दृश्यश्राव्य माध्यमो का उपयोग कर हम पाठ्यक्रम को आसान तथा रुचिकर बना सकते है।

अनुमोदन –

<u>सौ. धनश्री लेले.</u>

विषय क्रमांक : ०४

महाविद्यालयीन शिक्षा आयोग मे समाविष्ट करने के लिए हिंदी उत्तर पर्चियों की जॉच करनेवाले, परिक्षक तथा सरपरिक्षक तथा पेपर सेंटर्स आदियों की नियुक्ती के सुझाव तथा मान्यताएँ।

प्रस्तावसूचक

<u>डॉ. राहुल मराठे</u> –

आपने सुझाव दिया कि इस विषय के संदर्भ मे आसपास के महाविद्यालय प्राध्यपकों की नियुक्ति की जाय ताकी आर्थिक तथा आने-जाने की दृष्टी से सुविधा बन जाएगी और काम भी अच्छा होगा। संम्बाधित विषय के औचित्य मे निम्नलिखित नामों का सुझाव दिया गया। और मान्यता भी दी गई।

१ डॉ. विद्या शिंदे – खेड महाविद्यालय २ डॉ. अशोक साळुंखे – मंडणगड

३ प्रो. बाबासाहेब गुजाळ – दापोली ४ प्रा. बंदिवाले – साखरपा

५ प्रो. ठाकूर – डी.बी.जे ६ डॉ. चित्रा गोस्वामी – गोगटे जोगळेकर.

अनुमोदक –

<u>प्रा. सौ. स्नेहलता पुजारी</u>.

विषय क्रमांक : ०५

हिंदी प्रश्नपत्र की रुपरेखा कैसी रखी जाय जॉच मे सातत्य रहने की दृष्टी से २ सेमिस्टर मे बाह्य परीक्षा ७० गुणों की होगी और अंतर्गत मूल्यांकन ३० गुणों का हो।

प्रस्ताव सूचक

<u>डॉ. अनिल सिंग</u>

इस विषय के अंतर्गत यह तय किया जाया कि ७० गुणों की बाह्रय परीक्षा मे प्रथम पाठ्यपुस्तक पर २५ गुणों के प्रश्न निकाले जाय जिसमें (संदर्भ-सहित व्याख्या, दीर्घोत्तरी प्रश्न तथा टिप्पणियाँ आदि बातों का समावेश हो) तथा भाषाज्ञान, वर्तनी शुध्दता, अनुवाद, पत्रलेखन, संवादलेखन आदि के उपर २० गुणों के प्रश्न दिये जाय।

अंतर्गत मूल्यमापन की दृष्टीसे १० गुणों की कक्षा परीक्षा १० गुणों के बच्चों का सर्व समावेश आचरण तथा सभ्यता का विचार किया जायेगा। तथा १० गुणों के लिए प्रकल्प अहवाल लिया जाय तो अच्छा होगा।

अनुमोदन –

<u>डॉ. राहुल मराठे</u>

विषय क्रमांक : ०६

हिंदी विषय विकास की दृष्टी बच्चों मे विषय रुचि की वृद्धि, कौशल्यवृद्धि तथा रोजगार की संभावता की दृष्टी से विविध उपक्रमों का आयोजन।

विषय प्रस्ताव सूचक

सौ. धनश्री लेले

इस दृष्टी से हिंदी विषय के बच्चों के लिए १ साल मे तीन उपक्रमों का आयोजन किया जाय। जिनका नियोजन निम्नप्रकार से हो।

१ मूल्याधिष्टित उपक्रम मे 'प्रयोजन मूलक हिंदी का' एक प्रमाणपत्र अभ्यासक्रम (वर्ग) लिया जाय। जिसका पाठ्यक्रम ३० तासिकाओंका हो और इसके लिए विषय के तज्ञों को आमंत्रित किया जाय।

२ कौशल्याधिष्टित उपक्रम के अंतर्गत किसी साहित्य कृति तथा अन्य रचना का अनुवाद करने के लिए कौनसी तकनीकी उपयोग मे लाई जाती है। इस सम्बंन्ध मे एक अनुवाद वर्ग का आयोजन किया जाय।

क्षेत्रीय कार्य उपक्रम इस उपक्रम के अंतर्गत बच्चों से शासकीय कार्यालय तथा बँको मे आनेवाले कैंद्रिय परिपत्रकों का अनुवाद कराया जाय। साथ ही विविध क्षेत्रो मे कार्य करनेवाले व्यक्तियों की साक्षात्कार कराया जाय।

इस सम्बन्ध मे मूल्याधिष्टित वर्ग के लिए 'प्रयोजन मूलक हिंदी' का जो पाठ्यक्रम तैयार किया गया या उसपर प्रा.सौ स्नेहलता पुजारी को मान्यता दी गई।

अनुमोदन

डॉ. अनिलकुमार सिंग

उपर्युक्त सभी विषयों पर जिस प्रकार से चर्चा हुअी उन सारी बातों की तरह एक बार फिर पुनरावृत्ती की गई। फिर एक बार सभी विषयोंपर विचार-विनिमय कर यह सभा बडे खुले और स्वच्छ वातावरण मे संप्पन्न हुई। और उपर्युक्त सभी विषय सभी लोगो की अनुमति से स्वीकृत हुये।

अध्यक्ष,हिंदी अभ्यास मंडल

प्रा. स्नेहलता पुजारी

३